- श्रीमद्भागवतसारोद्धाारस्य परिचयः **199-203**
  Dr. Vinayak Namannavar
- जनकजानन्दनाटकम् नाटकम् – एकं समीक्षणम् **204-208**
  Sourav Das
- हिंदुस्तान के विभाजन का एक कद्दावर सच : जिन्दा मुहावरे **209-211**
  प्रिया श्रीवास्तव
- बली–निर्बलग्रहदशाफलम् **212-218**
  डॉ0 विनोद शर्मा
- शिवानी के कथा साहित्य में कथ्य की सहज सम्प्रेषणीय **219-221**
  डॉ0 सविता
- दीनदयाल उपाध्याय के विचारों की वर्तमान प्रासंगिकता **222-223**
  आरती कुमारी
- संस्कृतवाङ्मये कालिदासस्य रससिद्धता **224-226**
  Dr. A Gunaseelan
- उपनिषत्सु समाजचेतनायाः समीक्षात्मकमध्ययनम् **227-230**
  चंदना रायः
- हंस के संपादकीय में प्रतिरोध प्रतिरोध की अवधारणा और स्वरूप **231-234**
  डॉ0 सुरेश कुमार
- विश्वनाथ भगतस गहि घोख़ **235-236**
  प्रो0 सोमरा उराँव
- कौटिल्य का राजनीतिक चिन्तन और राज्य के उत्पति संबंधित सिद्धांत : एक अध्ययन **237-241**
  स्वामी नाथ राम
- अलंकरणों का सामाजिक स्वरूप : एक अध्ययन **242-245**
  राकेश कुमार यादव
- **Employment Scenario in India in Pre and Post reforms Era** **246-251**
  Dr. Vikas Kumar
- **THE ROLE OF TAXILA ON EADUCATION – A GLIMPSE** **252-253**
  Dr. Biswarup Mandal
- **Privilege to Exploitation: Exploring Mintz's idea of Sugar consumption** **254-257**
  Vishal Singh

❖